कान्हा काकरिया मत मार मटकिया फूट जावेली लिरिक्स

कान्हा काकरिया मत मार,
मटकिया फूट जावेली,
फूट जावेली चुनड़ मारी भीगे जावेली,
कान्हा कंकरिया मत मार,
मटकिया फूट जावेली।bd।

हे आमा सामा मेल मालिया,
लग गई आंखड़ली,
दर्शन कैसे पाऊं सांवरा,
आडी भीतड़ली,
कान्हा कंकरिया मत मार,
मटकिया फूट जावेली।bd।

रुनझुन रुनझुन पाणी ने चाली,
सिर पर गागड़ली,
सामी मिलगो कंवर कानूडो,
आ गई लाजड़ली,
कान्हा कंकरिया मत मार,
मटकिया फूट जावेली।bd।

थे तो मारा घर का ठाकुर,
मैं भी ठकुराणी,
आडो टेडो काई रे चाल,
मैं भी आटड़ली,
कान्हा कंकरिया मत मार,
मटकिया फूट जावेली।bd।

नव लक धीणो नंद घर दुजे,
एक न बाखड़ली,
माखण माखण कानो खावे,
रखें छाछड़ली,
कान्हा कंकरिया मत मार,
मटकिया फूट जावेली।bd।

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com

वृंदावन में रास रचावे,
मोर की पाखड़ली,
चंद्र सखी भज बाल की शोभा,
चरणा चाकड़ली,
कान्हा कंकरिया मत मार,
मटकिया फूट जावेली।bd।

कान्हा काकरिया मत मार,
मटकिया फूट जावेली,
फूट जावेली चुनड़ मारी भीगे जावेली,
कान्हा कंकरिया मत मार,
मटकिया फूट जावेली।bd।

प्रेषक – सुभाष सारस्वत काकड़ा।
मोबाइल 9024909170

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com